दैनिक जागरण धर्मशाला, 4 दिसंबर 2011

धर्मशाला में पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए आयोजित किए गए प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन पर मुख्यातिथि प्रदेश प्रधान सचिव कानून एसी डोगरा व श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी कंवर चिराग भानू सिंह के साथ प्रतिभागी। जागरण

वैज्ञानिक तकनीक से करें जांच

मुख्य संवाददाता, धर्मशाला : अपराध के अन्वेषण की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी देने के लिए क्षेत्रीय फॉरेंसिक साइंस लैब धर्मशाला की ओर से लगाया गया पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण शिविर शनिवार को संपन्न हो गया। शिविर में ऊना, कांगड़ा व चंबा जिलों के 25 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।

इस दौरान प्रतिभागियों को आपराधिक घटनाओं की वैज्ञानिक तकनीक से जानकारी दी गई। समापन पर कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान सचिव, विधि हिमाचल प्रदेश एसी डोगरा ने दी। उन्होंने कहा कि पुलिस के लिये आपराधिक स्थल पर मामले की जांच के लिए आवश्यक जानकारियों व सबूत जुटाना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, इसके लिये ऐसा प्रशिक्षण देना अनिवार्य हो जाता है। इस अवसर पर श्रम एवं उद्योग के पीठासीन न्यायाधीश चिराग भानू सिंह ने भी विचार रखे।

समापन अवसर पर क्षेत्रीय न्यायलयिक विज्ञान प्रयोगशाला के उपनिदेशक डॉ. अरुण शर्मा ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए फॉरेंसिक लैब के कार्यों की जानकारी दी। वहीं, कोर्स संयोजक व सहायक निदेशक, डॉ. एसके पाल ने कहा कि शिविर में हत्या, फर्जी दस्तावेज, बलात्कार, अप्रमाणित अवैध शराब, जहर व मादक द्रव्य जैसे मामलों की जांच सही दिशा में आगे बढ़ाने का प्रशिक्षण दिया गया। सहायक निदेशक डॉ. मीनाक्षी महाजन, डॉ. एनपी दुबे, वैज्ञानिक अधिकारी एमआर शर्मा, अजय सहगल, डॉ. विजय, राजेश जम्वाल व जसवंत सिंह ने भी विभिन्न पहलुओं पर विचार रखे।